ऐम॰बी॰डी॰ मॉडल प्रश्न-पत्र

मॉडल प्रश्न-पत्र 1

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (पाठ्यक्रम—'बी')

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

खंड—'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौंदर्य तक परपीड़न, डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता। यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी-बहुत ही होती है। अत्याचारियों या डाकुओं के शौर्य और साहस की कथाएँ भी लोग तारीफ़ करते हुए सुनते हैं।

अब तक उत्साह का प्रधान रूप ही हमारे सामने रहा, जिसमें साहस का पूरा योग रहता है। पर कर्ममात्र के संपादन में जो तत्परतापूर्ण आनंद देखा जाता है, वह भी उत्साह ही कहा जाता है। सब कामों में साहस अपेक्षित नहीं होता, पर थोड़ा-बहुत आराम, विश्राम, सुभीते इत्यादि का त्याग सबमें करना पड़ता है। कुछ और नहीं तो उठकर बैठना, खड़ा होना या दस-पाँच कदम चलना ही पड़ता है। जब तक आनंद का लगाव किसी क्रिया, व्यापार या उसकी भावना के साथ नहीं दिखाई पड़ता, तब तक उसे 'उत्साह' की संज्ञा प्राप्त नहीं होती। यदि किसी प्रिय मित्र के आने का समाचार पाकर हम चुपचाप ज्यों-के-त्यों आनंदित होकर बैठे रह जाएँ या थोड़ा हँस भी दें, तो यह हमारा उत्साह नहीं कहा जाएगा। हमारा उत्साह तभी कहा जाएगा, जब हम अपने मित्र का आगमन सुनते ही उठ खड़े होंगे; उससे मिलने के लिए दौड़ पड़ेंगे और उसके ठहरने आदि के प्रबंध में प्रसन्न-मुख इधर-उधर आते-जाते दिखाई देंगे। प्रयत्न और कर्म-संकल्प उत्साह नामक आनंद के नित्य लक्षण हैं।

प्रत्येक कर्म में थोड़ा या बहुत बुद्धि का योग भी रहता है। कुछ कर्मों में तो बुद्धि की तत्परता और शरीर की तत्परता दोनों बराबर साथ-साथ चलती हैं। उत्साह की उमंग जिस प्रकार हाथ-पैर चलवाती है, उसी प्रकार बुद्धि से भी काम करवाती है। ऐसे उत्साह वाले को कर्मवीर कहना चाहिए या बुद्धिवीर—यह प्रश्न मुद्राराक्षस नाटक बहुत अच्छी तरह हमारे सामने लाता है। चाणक्य और राक्षस के बीच जो चोटें चली हैं, वे नीति की हैं—शस्त्र की नहीं।

1. **अवतरण को उचित शीर्षक दीजिए।** 1
2. **किसी भाव का अच्छा या बुरा होना किस पर निर्भर करता है?** 2
3. **आनंद को कब उत्साह नहीं माना जाता?** 2
4. **प्रयत्न और कर्म-संकल्प क्या हैं?** 2
5. **प्रत्येक कर्म में किसका योग रहता है?** 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मुझे लड़नी है एक छोटी-सी लड़ाई
एक झूठी लड़ाई में मैं इतना थक गया हूँ
कि किसी बड़ी लड़ाई के काबिल नहीं रहा।
मुझे लड़ना नहीं अब

MBD_Gr_10-B_MTP-F.pmd 1 4/28/2018, 4:51 PM

किसी छोटे कद वाले आदमी के इशारे पर—
जो अपना कद लंबा करने के लिए
पूरे देश को युद्ध में झोंक देता है।
मुझे लड़ना नहीं,
किसी प्रतीक के लिए
किसी नाम के लिए
किसी बड़े प्रोग्राम के लिए
मुझे लड़नी है एक छोटी-सी लड़ाई
छोटे लोगों के लिए
छोटी बातों के लिए।
मुझे लड़ना है एक मामूली क्लर्क के लिए
जो बिना चार्जशीट के मुअत्तिल हो जाता है।
जो पेट में अल्सर का दर्द लिए
जेबों में न्याय की अर्ज़ी की प्रतिलिपियाँ भरकर
नौकरशाही के फ़ौलादी दरवाज़े
अपनी कमज़ोर मुट्ठियों से खटखटाता है।
मुझे लड़ना है—
जनतंत्र में उग रहे वनतंत्र के खिलाफ़
जिसमें एक गेंडानुमा आदमी दन-दनाता है।
मुझे लड़ना है
अपनी ही कविताओं के बिंबों के खिलाफ़
जिनके अँधेरे में मुझसे—
ज़िंदगी का उजाला छूट जाता है।

(क) किस लड़ाई को कवि झूठी लड़ाई मानता है? 2

(ख) कवि समाज के किस वर्ग के लिए संघर्ष करना चाहता है और क्यों? 2

(ग) 'जनतंत्र में उग रहे वनतंत्र' का क्या आशय है? 2

खंड—'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(*i*) पद किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं? 1

(*ii*) शब्द किसे कहते हैं? 1

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(*i*) वर्षा हो रही है किंतु धूप भी निकली हुई है। (वाक्य का प्रकार बताइए) 1

(*ii*) मंत्री बनने पर भी उसका व्यवहार पूर्ववत है। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(*iii*) आप आसन पर बैठकर विश्राम करें। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(*i*) मृगनयन (विग्रह करके समास का नाम लिखिए) 1

(*ii*) भयभीत (विग्रह करके समास का नाम लिखिए) 1

(*iii*) लव और कुश (समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए) 1

(*iv*) युद्ध के क्षेत्र में <u>राजपुत्र</u> पुरुषसिंह लग रहा था। (रेखांकित पद के समास का प्रकार बताइए) 1

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 × 4 = 4

(*i*) पिता आपके हैं पुरुष सज्जन।

(*ii*) उसे गाने का अभ्यास किया।

(*iii*) उसे सब कुछ खा डाला।

(*iv*) बीस वर्ष है अवस्था मेरी।

7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए— 1 × 2 = 2

(*i*) कान खोलना

(*ii*) अंग छूना

खंड—'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(*i*) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी? 2

(*ii*) कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे? 2

(*iii*) जापानी में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं? 1

9. गाँधीजी में नेतृत्व की अद्‌भुत क्षमता थी, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 5

10. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुंजर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर॥

(क) प्रस्तुत पद में मीराबाई ने किसकी आराधना की है?

(ख) मीराबाई ने अपनी बात के लिए कौन-कौन से प्रमाण दिए हैं?

(ग) मीराबाई अपनी किस पीड़ा को दूर करने की बात कह रही है?

11. कवि ईश्वर से दुख के समय सांत्वना के स्थान पर क्या चाहता है और क्यों? 5

अथवा

विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी संभाल होती है स्पष्ट कीजिए।

12. लेखक ने पाठ में बताया है कि अक्सर अभिभावक बच्चों को खेलने के स्थान पर पढ़ने के लिए कहते हैं। अपने विवेक के आधार पर बताइए कि पढ़ाई के साथ खेल-कूद बच्चों के विकास में किस प्रकार सहायक हैं? 5

खंड—'घ'

13. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए— 5

(*i*) **ऐतिहासिक यात्रा**

• गर्मी की छुट्टियाँ • मित्र का निमंत्रण • आगरा जाना • ताजमहल देखना • अद्‌भुत सुंदरता

(*ii*) **मेट्रो रेल**

• भूमिका • गति • व्यवस्थित • आराम • उपसंहार

(*iii*) **शक्ति अधिकार की जननी है**

• शक्ति के प्रकार • शारीरिक और मानसिक शक्तियों का संयोग • अधिकारों की प्राप्ति • सत्य और अहिंसा का बल • अनाचार का विरोध

14. संपादक, स्वतंत्र भारत, कटक के माध्यम से उपायुक्त को गाँवों में सूखे की स्थिति से परिचित करवाएँ। 5

अथवा

प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें पुस्तकालय में कुछ हिंदी-पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए निवेदन किया गया हो।

15. अपने विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह मनाने के लिए सूचना-पत्र लिखिए। 5

अथवा

नगर की टूटी-फूटी सड़कों से परेशान अनन्या और शगुन के बीच की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

16. पुस्तक-विक्रेता से मोहित के बीच हुए संवाद लिखिए। 5

अथवा

रेखा तथा प्रवीण के बीच नैतिकता पर हुए संवाद लिखिए।

17. बच्चों की पत्रिका के होली विशेषांक के प्रचारार्थ एक डिस्प्ले विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

शुष्क दूध के प्रचार हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

मॉडल प्रश्न-पत्र 2

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (पाठ्यक्रम—'बी')

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

खंड—'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वही स्थान आनंद-वर्ग में उत्साह का है। भय में हम प्रस्तुत कठिन स्थिति के नियम से विशेष रूप में दुखी और कभी-कभी उस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए प्रयत्नवान भी होते हैं। उत्साह में हम आने वाली कठिन स्थिति के भीतर साहस के अवसर के निश्चय द्वारा प्रस्तुत कर्म-सुख की उमंग से अवश्य प्रयत्नवान होते हैं। उत्साह से कष्ट या हानि सहने की दृढ़ता के साथ-साथ कर्म में प्रवृत्ति होने के आनंद का योग रहता है। साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है। कर्म-सौंदर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं।

जिन कर्मों में किसी प्रकार का कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है, उन सबके प्रति उत्कंठापूर्ण आनंद उत्साह के अंतर्गत लिया जाता है। कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि भेद किए हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्धवीरता है, जिसमें आघात-पीड़ा क्या मृत्यु तक की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यंत प्राचीनकाल से चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं। केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता। उसके साथ आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा का योग चाहिए। बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने को तैयार होना साहस कहा जाएगा, पर उत्साह नहीं। इसी प्रकार चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलाए, घोर प्रहार सहने के लिए तैयार रहना साहस और कठिन-से-कठिन प्रहार सहकर भी जगह से न हटना वीरता कही जाएगी। ऐसे साहस और वीरता को उत्साह के अंतर्गत तभी ले सकते हैं जबकि साहसी या वीर उस काम को आनंद के साथ करता चला जाएगा, जिसके कारण उसे इतने प्रहार सहने पड़ते हैं। सारांश यह है कि आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नहीं। वृत्ति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है।

1. **'प्रयत्नवान' में मूलशब्द से प्रत्यय अलग करके लिखें।** 1
2. **उत्साह में किसका योग रहता है?** 2
3. **उत्साह के भेदों में सबसे प्राचीन किसे माना जाता है?** 2
4. **मृत्यु तक की परवाह किस प्रकार की वीरता में नहीं होती?** 2
5. **सच्चे उत्साही कौन होते हैं?** 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

'*आम*' अब आम वस्तु नहीं रह गया
ख़ास हो गया
वह आम आदमी के बीच रहते हुए भी
चला गया आम आदमियों को छोड़कर
ख़ास आदमियों के बीच।
सुना है कोई आता है हर साल
जो ले जाता है आम को
आम आदमियों के बीच से बहकाकर
ख़ास आदमियों के बीच।
आख़िर वह कौन है
जो हमारे जंगलों से चुराकर ले जाता है आम?

MBD_Gr_10-B_MTP-F.pmd 5 4/28/2018, 4:51 PM

कौन है वह जो हमारे पेड़ों पर आम लगते ही
पेड़ों का सौदा करता है
और हम अपने ही घर के पिछवाड़े फले आम से
वंचित हो जाते हैं?
कैसे वह बोतलों में बंद होकर
पहुँच रहा है बाज़ारों तक
ख़ास लोगों की तश्तरियों में सज रहा है कैसे?
अंगूर, केला, सेब हमारा नहीं रहा
अनार भी हमारे बीच से चला गया
पर आम तो हम आम आदमियों के लिए रहने दो भाई!
हम खीरा, ककड़ी उगाएँ
कोई उसे भी ख़ास लोगों की तश्तरियों तक ले गया
तरबूज खाना शुरू किया
तो उस पर किस की निगाह लगी
और वह भी बाज़ारों तक पहुँच गया
कटहल तक को भी नहीं छोड़ा।
और वह 'आम' जो
हम आम लोगों के लिए 'आम' था
वह भी मन भर नसीब नहीं होता।
कभी नीम तो कभी बबूल पर पेटेंट
अब आने वाले वर्षों में 'आम' पर भी
हम आम आदमी का एक हक़ नहीं रह जाएगा।
अब वह दिन दूर नहीं
जब हमारी जेब की पहुँच से बाहर होगा 'आम'
और सिर्फ़ उसका स्वाद हमारी
स्मृतियों में बसा होगा।

1. **'आम' खास कैसे हो गया है?** 2
2. **'पेटेंट' के नाम पर क्या हो रहा है?** 2
3. **'आम आदमी' की क्या दशा होने जा रही है?** 2

खंड—'ख'

3. **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—**
   (*i*) व्याकरणिक शब्द किसे कहते हैं? 1
   (*ii*) योगरूढ़ शब्द किसे कहते हैं? 1
4. **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—**
   (*i*) मन लगाकर पढ़ना चाहिए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1
   (*ii*) तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1
   (*iii*) जब पानी बरस रहा था तब मैं घर के भीतर था। (सरल वाक्य में बदलिए) 1
5. **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—**
   (*i*) दानवीर, नीलांबर (विग्रह करके समास का नाम लिखिए) 1

(*ii*) नवरत्न, यथाशक्ति (विग्रह करके समास का नाम लिखिए) 1

(*iii*) प्राणप्रिय राह खर्च के लिए कुछ रुपये दे देना। (रेखांकित पद के समास का प्रकार बताइए) 1

(*iv*) नीला है कंठ जिसका (समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए) 1

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 × 4 = 4

(*i*) कृपया आने की कृपा इधर करें।

(*ii*) वह स्थान महिलाओं के लिए केवल आरक्षित है।

(*iii*) राम रावण को मारा ने।

(*iv*) मैं तुम्हे सौ रुपये दिए थे।

7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए— 1 × 2 = 2

(*i*) चारपाई पकड़ना

(*ii*) टोपी उछालना

खंड—'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(*i*) कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी, 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था? 2

(*ii*) सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है? 2

(*iii*) जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है? 1

9. निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में क्या विश्वास है? 5

10. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

उड़ गया, अचानक लो, भूधर
फड़का अपार वारिद के पर!
रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
है टूट पड़ा भू पर अंबर!
धँस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
—यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

(क) शाल के पेड़ कहाँ चले गए?

(ख) कवि की दृष्टि में जादू का खेल कौन दिखा रहा है?

(ग) 'रव शेष रह गए हैं निर्झर' भाव स्पष्ट करें।

11. कवि बिहारी का 'द्विजराज कुल' से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें। 5

12. 'टोपी शुक्ला' पाठ में लेखक ने बताया है कि बच्चे प्यार के भूखे होते हैं। जीवन-मूल्यों के आधार पर बताइए कि क्या बचपन प्रेम के रिश्तों को मानता है? वह किसी और रिश्ते को क्यों नहीं पहचानता? 5

खंड—'घ'

13. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए— 5

(*i*) आत्मनिर्भरता

• आत्मनिर्भरता का अर्थ • उपयोगिता • परिश्रम की उपयोगिता • स्वाभिमान • देश और जाति के उद्धार का आधार

(ii) **व्यक्ति और समाज**

• व्यक्ति और समाज का अर्थ • समाज की व्यवस्था • समाज की प्राथमिकता • व्यक्ति और समाज में समन्वय

(iii) **निजभाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल**

• निज भाषा का महत्व • भाषा की आवश्यकता • सामाजिक जीवन में भाषा • निज भाषा से मानसिक भूख की शांति

14. विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

15. विद्यालय में अध्यापक दिवस मनाने के लिए एक सूचना-पत्र लिखिए। 5

16. दिनेश और सुरेश के बीच पुस्तकालय की उपयोगिता विषय पर किए गए संवादों को अपने शब्दों में लिखिए। 5

17. वाशिंग मशीन के प्रचार हेतु विज्ञापन लिखिए। 5

अथवा

किसी सेल के अंतिम दिन के प्रचारार्थ एक विज्ञापन तैयार कीजिए।